अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

00932

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

पी.जी.डी.टी.-1 : अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

समय : ३ घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जीवन के विविध क्षेत्रों में अनुवाद के महत्व और भूमिका पर 20
 प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुवाद-प्रक्रिया के संबंध में विभिन्न विद्वानों की क्या राय है? तर्क संगत उत्तर दीजिए।

2. अच्छे अनुवादक से क्या-क्या अपेक्षाएँ की जाती हैं? अपने 20 दायित्वों का निर्वाह वह किस प्रकार करता है?

अथवा

'लक्ष्यभाषा' और 'स्रोतभाषा' के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों की तुलना और पुन: सृजन पर लेख लिखिए।

 अनुवाद के साधन-उपकरणों की चर्चा कीजिए। इस क्षेत्र में 20 मशीनी सहायता पर भी प्रकाश डालिए।

अथवा

1

पुनरीक्षण से आप क्या समझते हैं। इसकी क्या उपयोगिता है और यह अनुवाद-समीक्षा से किस तरह भिन्न है?

अथवा

निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* पर टिप्पणी लिखिए :

- (a) एक भाषिक कोश
- (b) लिप्यंतरण
- (c) अनुवाद मूल्यांकन
- 4. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए:

5x2=10

- (a) Fishy affair
- (b) Achilles heel
- (c) To pass the luck
- (d) To turn a deaf ear
- (e) To build castles in the air

अथवा

निम्नलिखित का मिलान कीजिए:

- (a) To break a magic spell
- (i) गुड़ गोबर कर देना
- (b) After death the doctor
- (ii) लोहा लोहे को काटे
- (c) Diamond cuts
 Diamond
- (iii) तिलस्म तोड़ना
- (d) Action speaks
- (iv) का बरसा जब कृषी
- louder than words
- सुखाने
- (e) To make a mess of
- (v) कथनी से करनी

भली

	रिक्त र	स्थानों की पूर्ति कीजिए :	10
	(a)	प्रत्येक भाषा की अपनी होती है।	
	(b)	अनुवाद के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक	
		है।	
	(c)	अनुवाद का उद्देश्य मूलपाठ के को	
		संप्रेषित करना होता है।	
	(d)	अनुवाद करते समय व्यक्तियों और स्थानों के नामों का	
		किया जाता है।	
	(e)	अनुवाद पूरा हो जाने पर उसमें किया गया सुधार	
		कहलाता है।	
अथवा			
	निम्नलिखित शब्दों को कोश के क्रम में लिखिए:		
	कमल, कागज, कल्पना, कावेरी, कृति, किसान, कुपाठ, कुशल		
	किर्ति, किताब		
	air, along, aid, add, aeroplane, angry, alike, art,		
	ant,	and.	
5.	निम्ना	लिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए :	10
	(a)	Lakhs of motorists and pedestrians (पैदल	
		चलने वाले) had a harrowing (यंत्रणापूर्ण) time	
		on the capital's roads on Thursday as a	
		religious procession (जूलूस) wound its way	

through some of the busiest parts of New

Delhi. Apart from the office goers who got late to their work place in the morning, thousands of people were stuck in huge traffic jams around central secretariat and Connaught place until late in the evening. Though the traffic police had issued an advisory (सलाह) asking the motorists to avoid certain stretches leading to route of the procession, there was utter chaos (अव्यवस्था) on the roads with nowhere to go. Almost all crossings had traffic personnel manning them, but even that did not help.

अथवा

(b) We have heard the saying "water, water everywhere, not a drop to drink". The expression (কথন) is used where there is an abundance of sea water. Being salty the seawater is unfit for drinking. Now think of Dead Sea's water which is about six times as salty. It is called the "Dead Sea" because almost none of nature's creatures can live in this saline (আম) environment. The Dead Sea is deadly to plants and all kinds of fish. Any fish which accidentally swing into it from a fresh water source is killed instantly. What makes it the Dead Sea? The river

and springs feeding this sea are fresh and come down off the mountain. The Dead Sea is located on the border between the West Bank, Israel and Jordan. It is completely land-locked, thus no water can leave it except by evaporation (भाप बनना), which takes place very rapidly making the sea salty.

7. निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

10

(a) 'जलवायु में बदलाव एक ऐसी चुनौती है जिसके मुकाबले में सारी दुनिया को एकजुट होना चाहिए।' यह अपील ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने की है। उनका कहना है कि सारी दुनिया के देशों के सामने जलवायु में बदलाव एक ऐसी चुनौती है। जिम्मेदारियाँ भले ही अलग-अलग हों लेकिन इस चुनौती से जूझना हम सबको है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे बुरा असर आहार, सुरक्षा, जल और ऊर्जा पर पड़ने का है। भारत इस समस्या से अछूता नहीं होगा। अब समय बहुत कम बचा है। शताब्दी के मध्य तक बहुत कुछ बदल चुकेगा। जरूरत इस बात की है कि विश्व समुदाय इस मुद्दे पर एकजुट हो कर रास्ता निकाले।

अथवा

दिल्ली में बाल मजदूरी के मुद्दे पर सोमवार को विधानसभा में बहस हुई। कांग्रेस विधायक ब्रह्मपाल के सवाल के जवाब में श्रम मंत्री ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में 521 बाल मजदूरों को छुड़ाया गया और जहाँ वे काम करते थे उनके नियोक्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। सदस्यों का आरोप था कि सरकार बाल मजदूरी समाप्त करने के मसले पर गंभीर नहीं है अन्यथा इतने कम बाल मजदूर न छुड़ाए जाते। पूर्व श्रम मंत्री सुरेंद्रपाल रातावाल का कहना था कि सरकार के सही प्रयास से इसके दूसरे पक्ष भी सामने आऐंगे। बाल मजदूरी के सवाल पर आधा घंटे बहस हुई। उद्योग और श्रम मंत्री का कहना था कि बाल मजदूरों को छुड़ाने के बाद उन्हें घर वापस भेजने के लिए संबंधित राज्यों में उनके अभिभावकों से संपर्क किया जाता है। जो बच्चे वापस नहीं जाते उनकी पढ़ाई-लिखाई और व्यावसायिक प्रशिक्षण का प्रबंध किया जाता है।